



आईवीआरआई के बारे में

1889 में स्थापित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान पशुओं के लिए एक प्रमुख शोध संस्थान है। वर्तमान में इस संस्थान को पशुचिकित्सा विज्ञान में एक समतुल्य विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त है। यह संस्थान, पशुचिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास एवं कौशल विकास में इस शताब्दी की चुनौतियों के लिए अग्रणी भूमिका अदा कर रहा है।

अभिदेश

- उत्पादकता वृद्धि हेतु पशु स्वास्थ्य में सुधार के लिए मौलिक एवं सामारिक शोध
- अधोस्नातक व स्नातकोत्तर शिक्षा द्वारा मानव संसाधन विकास
- पशुधन उत्पादन एवं स्वास्थ्य तकनीकियों का प्रसार

उद्देश्य:-

- ❖ सूकर उत्पादन के क्षेत्र में उद्यमिता विकास
- ❖ सूकर उत्पादन के क्षेत्र में कौशल विकास
- ❖ साक्षर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अर्न्तगत:-

- ❖ सूकर प्रजाति
- ❖ चयन, खरीद और पहचान
- ❖ रिकॉर्ड तैयार करना
- ❖ पालन पोषण और प्रबंधन
- ❖ प्रजनन
- ❖ रोग नियंत्रण
- ❖ प्राथमिक चिकित्सा
- ❖ स्वच्छता
- ❖ वित्तपोषण, बीमा एवं सूकर पालन का अर्थशास्त्र इत्यादि विषय पर गहन जानकारी प्रदान की जायेगी।

वैज्ञानिक / संकाय:-

- ❖ डा० जी० के० गौड़, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी एल०पी०एम० अनुभाग
- ❖ डा० अनुज चौहान, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी सूकर उत्पादन प्रक्षेत्र (एस.पी.एफ.)
- ❖ डा० डी० बर्धन, प्रधान वैज्ञानिक
- ❖ डा० मुकेश सिंह, प्रधान वैज्ञानिक
- ❖ डा० यू०के० डे०, प्रधान वैज्ञानिक
- ❖ डा० चन्द्राहास, प्रधान वैज्ञानिक
- ❖ डा० एस० ई० जाधव, वरिष्ठ वैज्ञानिक
- ❖ डा० एच० ओ० पाण्डे, वरिष्ठ वैज्ञानिक
- ❖ डा० एम० के० पात्रा, वैज्ञानिक
- ❖ डा० आयोन तरफदार, वैज्ञानिक
- ❖ डा० रूपसी तिवारी, प्रधान वैज्ञानिक
- ❖ डा० आर पी सिंह, विभागाध्यक्ष, जैविक उत्पाद विभाग



सूकर पालन

से उद्यमिता विकास

पर

लाइव / ऑनलाइन

प्रशिक्षण कार्यक्रम

02-07 नवम्बर, 2020



एग्री-बिजनेस इन्व्यूबेशन

(एबीआई) केंद्र एवम्

पशुधन उत्पादन और प्रबंधन अनुभाग

भा०कृ०अनु०प०-भारतीय पशुचिकित्सा

अनुसंधान संस्थान

इज्जतनगर द्वारा आयोजित।



लैंडली: एक संकर प्रजाति सूकर

इस प्रजाति के विकसित विविध प्रकार के सूकरों को सभी प्रकार की स्थितियों में पाला जा सकता है। इन्हें कम खाद्य लागत के संसाधनों के साथ खिलाया जा सकता है। इनकी वृद्धि भी अच्छी रहती है और इनके बच्चों का आकार भी सामान्य रह सकता है। इसलिए इनका उपयोग घर के पिछवाड़े सूकर पालन उद्योग की छोटी इकाईयों जिसमें लगभग 5-20 सूकरों तथा साथ ही साथ बड़ी वाणिज्यिक इकाईयों के रूप में भी किया जा सकता है।

लैंडली की विशेषताये निम्न प्रकार हैं:-

- उच्च वृद्धि दर (480 ग्राम प्रतिदिन दूध छोड़ने के बाद)
- कम समय में बेचने के लिए योग्य (100 किलोग्राम – 8 माह में)
- दूध छोड़ने के समय पर सूकरों की संख्या 7-8
- एक साल में दो बार बच्चे देना
- उत्तर भारत में अच्छा प्रदर्शन
- संतुलित शरीर (न झुर्रियां न ज्यादा वसा)
- समस्त प्रकार के सूकर पालकों को स्वीकार्य



प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए शैक्षिक योग्यता:

कोई भी साक्षर युवा जो इसे आजीविका, स्टार्टअप, या व्यवसाय के रूप में लेना चाहता हो।

कार्यक्रम-शुल्क

प्रत्येक प्रतिभागी से रु 2800 का पंजीकरण शुल्क लिया जाएगा। जो निम्न माध्यम से स्वीकार्य होगा।



बैंक भुगतान द्वारा

खाता धारक – I.C.A.R. Unit IVRI Izatnagar

शाखा: SBI, CARI Branch, Bareilly(UP)

खाता संख्या: 10148035293

IFSC Code: SBIN0007027

आवेदन कैसे करें

इच्छुक उम्मीदवार दिये गये लिंक के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं



<https://forms.gle/AH6iKdZoc3SfpgK3A>

प्रमाण पत्र प्रदान किये जाएंगे



पंजीकरण और अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें।

कार्यक्रम समन्वयक

डा० जी के गौड़

प्रभारी / विभागाध्यक्ष एलपीएम अनुभाग

भा०कृ०अनु०प०-भारतीय पशुचिकित्सा

अनुसंधान संस्थान

इज्जतनगर –243122, बरेली (उ०प्र०)

दूरभाष / व्हाट्स-एप: 9457366190

ईमेल: gyanendrakg@gmail.com

कार्यक्रम समन्वयक

डा० आर पी सिंह

पी आई / एग्री-बिजनेस इन्क्यूबेशन प्रोजेक्ट

एवं विभागाध्यक्ष जैविक उत्पाद विभाग

भा०कृ०अनु०प०-भारतीय पशुचिकित्सा

अनुसंधान संस्थान

इज्जतनगर –243122, बरेली (उ०प्र०)

दूरभाष / व्हाट्स-एप: 9412360917

ईमेल: rabindradas365@gmail.com

वेबसाइट: <http://www.ivri.nic.in>



Scan me



About IVRI

Established in 1889, the ICAR-Indian Veterinary Research Institute (IVRI) is one of the premier research institutions dedicated to livestock research and development of the region. Today, the institute with its deemed to be university status contributes immensely to human resource development in the discipline of veterinary sciences with skills and knowledge necessary for the challenges of the new millennium.

Mandate:

- Basic and strategic research for improvement of animal health for enhanced productivity
- Human resource development, imparting under-graduate and post graduate education
- Dissemination of livestock production and health technologies

Objectives:-

- ❖ Development of entrepreneurs through intensive pig farming
- ❖ Skill development in the field of pig production
- ❖ Employment generation for literate youth

Course Covers:-

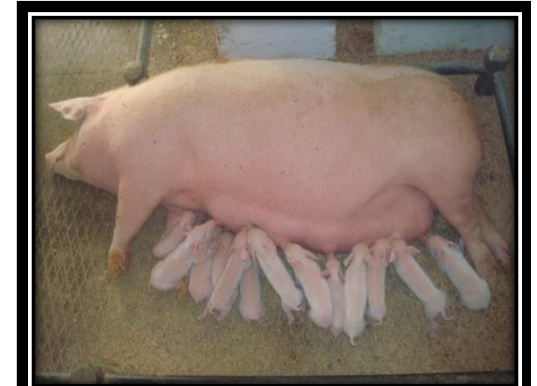
- ❖ Selection & Procurement
- ❖ Identification & record keeping
- ❖ Feeding & Management
- ❖ Breeding
- ❖ Restraining & First Aid
- ❖ Hygiene to prevent and control diseases
- ❖ Financing, insurance & economics of pig production

faculty:-

- ❖ Dr GK Gaur, Principal Scientist & I/C LPM
- ❖ Anuj Chauhan, Senior Scientist & I/C (S.P.F)
- ❖ Dr D Bardhan, Principal Scientist
- ❖ Dr Mukesh Singh, Principal Scientist
- ❖ Dr U K De, Principal Scientist
- ❖ Dr Chandrahaas, Senior Scientist
- ❖ Dr S E Jadhav, Senior Scientist
- ❖ Dr H O Pandey, Senior Scientist
- ❖ Dr M K Patra, Scientist
- ❖ Dr Ayon Tarafdar, Scientist
- ❖ Dr Rupasi Tiwari, Principal Scientist
- ❖ Dr R P Singh, Head BP Division



Live Entrepreneurship Development Programme On Pig Production 02-07 November, 2020



Organized
by
**Agri-Business Incubation
(ABI) Centre**
&
**Livestock Production &
Management Section**
**ICAR-Indian Veterinary
Research Institute**



Landly : A crossbred pig

This developed variety of pig can be reared in all type of manage mental conditions and can be fed with low cost feed resources with a good growth rate and standard litter size. Therefore, this can be used by the farmers for backyard piggery, small unit piggery (5-20 pigs) farms as well as large commercial units.

Specialties: Landly is specifically characterized by

- High growth rate (480gm/day post wean)
- Less time for marketability (100 kg at 8M)
- Standard litter size at weaning (7-8)
- Two farrowing per year
- Good performance in North India
- Balanced body (neither wrinkle nor excess fat)
- Acceptable to all range of pig farmers



Who Should Attend?

Any literate youth who is interested to take pig farming as Career, Startup or Business

Programme Fee

Fee of Rs.2800/- per participants will be charged. Participants have to pay training fee through online Bank transfer as per the detail given below



Name of Beneficiary:

I.C.A.R. Unit IVRI Izatnagar

A/c No: 10148035293

IFSC Code: SBIN0007027

Bank Name: State Bank Of India

Branch Name CARI Branch, Bareilly(UP)

How to apply: Interested candidates apply online through this link given below:-



<https://forms.gle/AH6iKdZoc3SfpgK3A>

Certificate will be provided



For Registration & more details, Please contact us

Programme Coordinator

Dr G.K. Gaur

Incharge/Head

LPM Section

ICAR-Indian Veterinary Research Institute,

Izatnagar-243122, Bareilly, Uttar Pradesh, India

Mob/Whatsapp: **9457366190**

Email: gyanendragk@gmail.com

Programme Coordinator

Dr R.P. Singh

PI/Agri Business Incubation Project & Head

Division of Biological Products

ICAR-Indian Veterinary Research Institute,

Izatnagar-243122, Bareilly, Uttar Pradesh, India

Mob/Whatsapp: **9412360917**

Email: rabindrprasadsingh365@gmail.com

Website: - <http://www.ivri.nic.in/>

